अध्याय- 5

आवासीय दशा एवं व्यवसायिक जीवन

आवासीय दशा एवं व्यवसायिक जीवन

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसूचित जाति (डोम जाति) के आवासीय दशा एवं व्यवसायिक जीवन की पृष्ठभूमि की तथ्यगत विश्लेषण किया गया है।

आज परिवर्तन गतिशीलता एवं समस्या आदि के व्यवस्थित अध्ययन में व्यवसायिक पृष्ठभूमि का अध्ययन आवश्यक होता है। समाज वैज्ञानिक अध्ययन जैसे- दुर्खीम (1912)[1], सोरोकिन (1927)[2], स्टालकप (1967)[3], मैकगुती (1964)[4], एडरसन (1961)[5], लिप्सेट और बेनडिक्ट (1959)[6], ब्राकओवर (1955)[7], श्रीनिवास (1963)[8], राव (1970)[9], इत्यादि के द्वारा व्यक्ति के सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का उसके जीवन से निकट का सम्बन्ध है। आवास की प्रकति व्यक्ति जिसका अंग होता है। वर्तमान समय में व्यक्ति के निवास स्थान व निवास के प्रकार व उसके परिवेश की पृष्ठभूमि मानव को अत्यधिक प्रभावित करती हे जिसमें समस्त उत्तरदाता नगरीय निवासी रहे है जिसमें डोम जाति के सदस्य समूह निवास के प्रकार व निवास स्थान का स्तर अपेक्षाकृत उन्नत स्तर पर रहा है। इसका कारण बदलते समय की आधुनिकीकरण को परिलक्षित बतलाया। प्रस्तुत तथ्यगत आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट किया जा सका है कि

76 (25.33) प्रतिशत उत्तरदाता के मकान कच्चे, व 128 (42.76) प्रतिशत उत्तरदाता के मकान पक्का रहा स्पष्ट कहे तथा 96 (32.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे रहे जिन्होंने कच्चा/पक्का मिश्रित मकान होने की बात को स्पष्ट कहा, जो आँकड़ों का विश्लेषण तथ्यगत पुष्टि तालिका संख्या 5.1 से स्पष्ट है।

तालिका संख्या-5.1

आवास की प्रकृति का विवरण

निवास के प्रकार	आवृत्ति	प्रतिशत
कच्चा	76	25.33
पक्का	128	42.67
कच्चा/पक्का	96	32.00
योग	300	100.00

निवास से सम्बन्धित सुलभ साधन होने की स्थिति का विवरण

उत्तरदाताओं के निवास स्थान से उनके दैनिक आवश्यकताओं में एक उनके पेय जल व उनके शौचालय व स्नानघर होने की स्थिति पर अध्याय के अन्तर्गत प्रकाश डालने की स्थिति से स्पष्ट होता है कि 237 (79.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने शौचालय सुविधा होने की बात को स्पष्ट कहा और 63 (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता के पास सुलभ शौचालय न होने की

स्थिति को व्यक्त किया तथा पानी की व्यवस्था के होने के लिए 268 (89.33) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की है और 32 (10.67) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पेयजल की असुविधा होने की बात कही। प्रस्तुत तथ्यगत आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट रहा कि नगरीय निवास के अन्तर्गत डोम जाति के सामाजिक स्तर व उनके निवास स्थान स्तर की उन्नत का प्रत्यक्ष प्रभाव स्पष्ट दिखाई पड़ता है। जिसमें 237 (79.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने शौच की सुविधा होने की बात को कहे व 128 (42.67) प्रतिशत उत्तरदाता अपने मकान के प्रकार को पक्का बतलाया प्रस्तुत आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.2 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.2

निवास के सम्बन्ध में प्राप्त सूचनाओं का विवरण स्तर

सुलभ साधन की स्थिति	हां	नहीं	योग प्रतिशत
शौचालय की सुविधा	237 (79.00)	63 (21.00)	300 (100.00)
पानी की सुविधा	268 (89.33)	32 (10.67)	300 (100.00)

उत्तरदाताओं के निवास के कमरे की स्थिति का विवरण

प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत डोम जाति के निवास स्थान व निवास के प्रकार के समक्ष उनके निवास में उचित कमरों की संख्या व उनके पारिवारिक दृष्टिकोण ओर उनके आर्थिक स्तर से अपेक्षित रहा है जिसके अन्तर्गत 93 (31.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे रहे जिनके निवास में कमरों की संख्या 2-4 रही और 103 (34.33) प्रतिशत उत्तरदाता के पास 4-8 कमरों के होने की स्थिति को व्यक्त किया और 58 (19.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिनके कमरों की संख्या 8-10 के बीच रही एवं 46 (15.34) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने कमरों की संख्या 10 से ऊपर होने की बात को स्पष्ट कहे, जो आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.3 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.3

कमरों की संख्या का विवरण स्तर

कमरों की संख्या	आवृत्ति	प्रतिशत
2-4	93	31.00
4-8	103	34.33
8-10	58	15.33
10 से ऊपर	46	15.34
योग	300	100.00

निवास स्थल व निवास करने की अवधि का विवरण

अध्याय प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाता के निवास में रहने की स्थिति पर प्रकाश डालने से स्पष्ट होता है कि 72 (24.00) प्रतिशत उत्तरदाता वर्तमान पीढ़ी से निवास कर रहे हैं व 136 (45.33) प्रतिशत उत्तरदाता पिता की पीढ़ी से और 92 (3067) प्रतिशत उत्तरदाता अपने निवास में रहने की स्थिति का विवरण अपने पितामह की पीढ़ी से रहने की स्थिति को व्यक्त किया जो प्राप्त आँकड़ों तथ्यगत पुष्टि तालिका संख्या 5.4 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.4

निवास में रहने की स्थिति का विवरण

निवास में रहने की स्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
वर्तमान पीढ़ी से	72	24.00
पिता की पीढ़ी से	136	45.33
पितामह की पीढ़ी से	92	30.67
योग	300	100.00

निवास स्थल व निवास के स्वामित्व का विवरण

प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाताओं के निवास स्थिति में उनके स्वयं के आवास की स्थिति का विवरण प्रस्तुत प्राप्त तथ्यों के आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि डोम जाति के उत्तरदाताओं की निवास स्थिति सर्वाधिक निजी होने का विवरण प्राप्त हुआ जिसमें कि 162 (54.00) प्रतिशत उत्तरदाता स्वयं के निवास होने की बातों को स्पष्ट कहे और 63 (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता सरकारी कमरे व किराये पर रहने की स्थिति को स्पष्ट कहा और 75 (25.00) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वयं के निजी किराये के मकान होने की स्थिति को स्पष्ट कहा। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण निम्न तालिका संख्या 5.5 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.5

निवास के स्वामित्व का विवरण

आवासों की स्थायित्व का स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
स्वयं	162	54.00
सरकारी किराये का	63	21.00
निजी किराये का	75	25.00
योग	300	100.00

आवासीय भूमि की स्थिति का विवरण

उत्तरदाताओं के बने आवास की प्रकृति के अन्तर्गत उसके स्वामित्व के बाद उनसे उनके निजी भूमि पर निवास होने की स्थिति का विवरण ज्ञात करने का प्रयत्न किया गया तो प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 166 (55.33) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने निवास के स्थल भूमि को पैतृक बतलाया और 38 (12.67) प्रतिशत उत्तरदाता ने सर्वाजनिक स्थल होने की स्थिति को बतलाया और 55 (18.33) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सरकारी भूमि होने की बात को स्पष्ट कहा तथा 41 (13.67) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिन्होंने अपने निवास की भूमि की स्थिति को अन्य प्रकार से होने की बात को स्पष्टट कहा जो प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण तथ्यगत तालिका संख्या 5.6 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.6

आवासीय भूमि की स्थिति का विवरण

आवास की भूमि का स्थायित्व	आवृत्ति	प्रतिशत
पैतृक भूमि	166	55.33
सर्वाजनिक भूमि	38	12.67
सरकारी आवाज	55	18.33
अन्य	41	13.67
योग	300	100.00

आय के स्रोत का विवरण

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत डोम जाति के उत्तरदाताओं में उनके व्यवसाय की स्थिति व प्रकृति पर शोध अध्ययन के अन्तर्गत दृष्टिगत करने से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि उत्तरदाताओं के बीच व्यवसाय की भिन्नता का रूप स्पष्ट दिखलाई देता है जो उत्तरदाता की आर्थिक स्थिति के विवरण को व्यक्त करता है जिसमें 32 (10.67) प्रतिशत उत्तरदाता कुटीर उद्योग, 62 (20.67) प्रतिशत उत्तरदाता पशुपालन, 31 (10.33) प्रतिशत उत्तरदाता दुकानदारी व 112 (37.33) प्रतिशत उत्तरदाता प्राइवेट नौकरी तथा 20 (6.67) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जो सरकारी नौकरी से जुड़े होने की बात कहे। तथ्यगत आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक उत्तरदाता 112 (37.33) प्रतिशत उत्तरदाता अपने पैतृक व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। प्रस्तुत आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.7 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.7

निवास के स्वामित्व का विवरण

व्यवसाय	आवृत्ति	प्रतिशत
कुटीर उद्योग	32	10.67
पुशपालन	62	20.67
दुकानदारी	31	10.33
शवदाह	112	37.33
प्राइवेट नौकरी	43	14.33
सरकारी नौकरी	20	6.67
योग	300	100.00

उत्तरदाता की मासिक आय

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत उत्तरदाता के व्यवसाय की प्रकृति के आधारगत उनके मासिक आय की स्थिति का विवरण प्राप्त तथ्यगत आँकड़ों से स्पष्ट होता है जिसमें कि 93 (31.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिनकी मासिक आय रू. 1000-1500 रूपये रही और 63 (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता उत्तरदाता की आय 1500-2000 रू. व 84 (12.67) प्रतिशत उत्तरदाता 2500-3000 रू. एवं 22 (7.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिनकी मासिक आय 3000 रूपये से अधिक की रही। प्रस्तुत आँकड़ों की स्थिति का विवरण तालिका संख्या 5.8 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.8

मासिक आय की स्थिति का विवरण स्तर

मासिक आय (रूपये में)	आवृत्ति	प्रतिशत
1000-1500	93	31.00
1500-2000	63	21.00
2000-2500	84	28.00
2500-3000	38	12.00
3000 से अधिक	22	7.33
योग	300	100.00

उत्तरदाता से सम्बन्धित अन्य सदस्यों की स्थित

वर्तमान समय में व्यवसायिक दृष्टिकोण से निम्न स्तर की स्थिति को प्राप्त उत्तरदाताओं के बीच आर्थिक तंगी की स्थिति से उबरने के लिए उत्तरदाता से सम्बन्धित अन्य परिवार के सदस्यों के बीच अपने उद्योग-धन्धों के अतिरिक्त विविध प्रकार के उद्योगों सम्बन्धित रखने के अन्तर्गत उत्तरदाता के समक्ष अपने आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की स्थिति को सुधारने की बात प्रकाशमान हुई है जो प्राप्त आँकड़ों में इस प्रकार से रहा जिसमें कि 63 (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता की मां व 80 (26.67) प्रतिशत उत्तरदाता की बहन और 43 (14.33) प्रतिशत उत्तरदाता की पत्नी व 114 (38.00) प्रतिशत उत्तरदाता के परिवार से सम्बन्धित अन्य रिश्ते वाले व्यवसाय करने की स्थिति को व्यक्त किया जो कि प्रस्तुत आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि आर्थिक स्थिति के तद्नुसार उत्तरदाता से सम्बन्ध रखने वाले परिवार के सदस्य कार्य करने में जुड़े रहे। स्थितिगत प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण की पुष्टि तालिका संख्या 5.9 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.9

परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवसाय में जुड़े होने का विवरण

व्यवसाय में जुड़े अन्य सदस्य	आवृत्ति	प्रतिशत
मां	63	21.00
बहन	80	26.67
पत्नी	43	14.33
अन्य सदस्य	114	38.00
योग	300	100.00

उत्तरदाता के सपरिवार की मासिक आय का विवरण

अध्याय अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाताओं के व्यवसायिक परिदृश्य में आय की स्थिति व परिवार के समस्त सदस्यों के आमदनी के स्रोत को स्पष्ट करने का प्रयास प्राप्त आँकड़ों के तथ्यगत विश्लेषण से स्पष्ट होता है जिसमें कि 116 (38.67) प्रतिशत उत्तरदाता के बीच सपरिवार मासिक आय की स्थिति 2000-4000 रूपये तक की रही व 126 (42.00) प्रतिशत उत्तरदाताओं की सपरिवार आमदनी का स्रोत 4000-6000 रूपये के मध्य रहा व मात्र 58 (19.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिन्होंने अपने सपरिवार मासिक आय की स्थिति की प्रकृति 6000 रूपये से अधिक होने की बात को व्यक्त किया। प्रस्तुत आँकड़ों

में स्थिति विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि डोम जाति के उत्तरदाताओं की आधुनिक समय में व्यवसाय की स्थिति दयनीय है जिसमें मात्र 58 (19.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे रहे जिनका सपरिवार मासिक आमदनी का स्रोत 6000 रूपये से अधिक के हैं। प्रस्तुत तथ्यगत आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.10 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.10

सपरिवार मासिक आय की स्थिति का विवरण

सपरिवार की मासिक आय	आवृत्ति	प्रतिशत
2000-4000	116	38.67
4000-6000	126	42.00
6000 से ऊपर	58	19.33
योग	300	100.00

ऋण लेने की स्थिति का विवरण स्तर

प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाता के समक्ष उनके आर्थिक समायोजन व उनकी दैनिक स्थिति को देखते हुए उनके अपने सामाजिक क्रिया-कलापों आदि कार्यो में अपने द्वारा ऋण लेने की स्थिति को परिलक्षित करने का प्रयास किया गया जिसमें कि प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण इस प्रकार रहा है। 186 (62.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऋण लेने की स्थिति के प्रति अपनी स्वीकारोक्ति व्यक्त की, 114 (38.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने ऋण लेने की स्थिति के प्रति अपनी असहमति व्यक्त की। यह स्पष्ट परिलक्षित होता है कि डोम जाति के समुदाय ने अपने स्वाभिमान व सामाजिक दायित्वों व अन्य क्रिया-कलापों को पूर्ण करने हेतु ऋण लेने की प्रकृति का स्तर निम्नतम रहा जिसमें कि 186 (62.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऋण लेने की स्थिति को स्पष्ट कहा। प्राप्त आँकड़ों की तथ्यगत स्पष्टीकरण निम्न तालिका संख्या 5.11 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.11

ऋण लेने की स्थिति का विवरण

ऋण लेने की प्रकृति	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	186	62.00
नहीं	114	38.00
योग	300	100.00

उत्तरदाताओं द्वारा ऋण प्राप्त किये गये संस्था का विवरण

अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाता से उनके ऋण लेने की स्थितिगत स्रोत को पूछा गया तो वो अपने ऋण लेने की स्थिति का विवरण इस प्रकार स्पष्ट किया जिसमें 66 (22.00) प्रतिशत उत्तरदाता बैंक द्वारा, 80 (26.67) प्रतिशत उत्तरदाता प्राइवेट संस्था व 26 (8.67) प्रतिशत उत्तरदाता अपने पड़ोसियों द्वारा तथा 36 (12.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने सम्बन्धित रिश्तेदार द्वारा व 24 (8.00) प्रतिशत उत्तरदाता नगर वार्ड अध्यक्ष के द्वारा ऋण लेने की स्थिति को स्पष्ट कहा ओर 68 (22.66) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जिन्होंने अपने ऋण लेने की स्थिति का विवरण अन्य सम्बन्धित लोगों से लेने की बात को स्पष्ट कहा। प्रस्तुत आँकड़ों का तथ्यगत विश्लेषण निम्न तालिका संख्या 5.12 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.12

ऋण लिये गये संस्था की स्थिति का विवरण

ऋण प्राप्त की संस्था	आवृत्ति	प्रतिशत
बैंक द्वारा	66	22.00
प्राइवेअट संस्था द्वारा	80	26.67
पड़ोसियों द्वारा	26	8.67
रिश्तेदारों द्वारा	36	12.00
नगर वार्ड अध्यक्षों द्वारा	24	8.00
अन्य सदस्यों द्वारा	68	22.66
योग	300	100.00

उत्तरदाता से सम्बन्धित नौकरी में आरक्षण की प्राप्त सुविधा का विवरण

प्रस्तुत अध्याय अध्ययन के अन्तर्गत डोम जाति को नौकरी के अन्तर्गत आरक्षण प्राप्ति की स्थिति पर प्रश्न पूछने से उत्तरदाताओं ने अपने आरक्षण मिलने की बातों को स्पष्ट कहा तथा नौकरी मिलने की स्थिति की अमुखता व्यक्त किये और न मिलने के उचित कारणों में स्पष्ट कहा कि "हमन के लडक़वन के उतना पढ़े के कहा सुझा गला" अर्थात आरक्षण के सम्बन्ध में उत्तरदाताओं के विवरण की स्थिति इस प्रकार रही जिसमें 164 (54.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने सहमति व्यक्त किया और 136 (45.33) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने इस विषय की जानकारी से असहमति व्यक्त किया, जो प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण निम्न सारिणी तालिका 5.13 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.13

उत्तरदाता को प्राप्त आरक्षण की स्थिति का विवरण

आरक्षण प्राप्त होने की स्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	164	54.67
नहीं	136	45.33
योग	300	100.00

उत्तरदाता के समक्ष बेरोजगारी की स्थिति का स्तर

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत उत्तरदाता के व्यवसायिक प्रकृति व उनके आर्थिक स्थिति के अलावा उनके वर्तमान समय में परिवार के सदस्यों को बेरोजगार होने की स्थिति पर प्रश्न पूछा गया तो वे अपने परिवार के सदस्यों व स्वयं को बेरोजगार होने की बात कही जो प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से इस प्रकार रहा जिसमें 198 (66.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने परिवार के सदस्यों को बेरोजगार होने की स्थिति को बतलाया व 102 (34.00) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे रहे जिन्होंने अपने व्यवसाय से जुड़े होने की स्थिति को व्यक्त किया और अपने आर्थिक सुदृढ़ता का आधार बतलाया, जो प्राप्त सूचना तथ्यगत विश्लेषण तालिका संख्या 5.14 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या–5.14

परिवार के सदस्यों को बेरोजगारी होने की स्थिति का विवरण

बेरोजगार सदस्य होने की स्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	198	66.00
नहीं	102	34.00
योग	300	100.00

बेरोजगार सदस्यों की स्थिति

प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाताओं से सम्बन्धित परिवार के अन्य सदस्यों के बीच बेरोजगार होने की स्थिति को पूछा गया जिसमें कि उत्तरदाताओं ने अपने परिवार के सदस्यों की संख्या को स्पष्ट बतलाया, जो प्राप्त आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि 63 (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता के परिवार 2-4 सदस्यों की संख्या, 48 (16.00) प्रतिशत उत्तरदाता 4-6 सदस्यों की संख्या बेरोजगार की श्रेणी में ही बतलाये और 189 (63.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने विस्तृत पारिवारिक दृष्टिकोण से बेरोजगारों की संख्या 6-8 के मध्य बतलाया, जो प्रस्तुत तथ्यगत आँकड़ों के विश्लेषण तालिका संख्या 5.15 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.15

बेरोजगारों के सदस्यों की संख्या का विवरण

बेरोजगारों की संख्या	आवृत्ति	प्रतिशत
2-4	63	21.00
4-6	48	16.00
6-8	189	63.00
योग	300	100.00

वेतन प्राप्ति के दिन मद्य-पान, व्यवसन करने की स्थिति का विवरण

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत उत्तरदाताओं की आर्थिक व्यवसायिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है व डोम जाति के लोगों के बीच की धारणा पर प्रश्न पूछा गया तो वे अपने आय में गौरव का अनुभव करते हुए अपने मद्यपान करने व अन्य सदस्यों सगे सम्बन्धियों को मद्यपान कराने की बात को स्पष्ट कहा और यह व्यक्त किये कि वे अपने आमदनी को खर्च कर रहे हैं, किसी गैर का नहीं। मद्यपान करनके बातों को सहज ढंग से उत्तरदाताओं ने लिया जिसके अन्तर्गत डोम जाति के लोगों शवदाह संस्कार आदि कार्य हेतु उन्हें मदिरा-पान करके कार्य करने की स्थिति को उत्तम व विश्वास परक समझने की बात को कहा तथा मद्यपान करना व कराना अपनी जाति की आदर-सत्कार से जोड़ने की बातों को कहा जो प्राप्त तथ्यगत आँकड़ों की स्थिति इस प्रकार से रही जिसमें कि 86 (63.67) प्रतिशत उत्तरदाता वेतन मजदूरी प्राप्ति के दिन मदिरा ग्रहण करने की स्थिति को स्पष्ट कहा व 76 (25.33) प्रतिशत उत्तरदाता ने कभी-कभी तथा 36 (12.00) प्रतिशत उत्तरदाता मदिरा-पान न करने की बात को स्पष्ट कहा, जो प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.16 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.16

मद्यपान करने की स्थिति का विवरण

मद्यपान की स्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
बहुधा	188	62.67
कभी-कभी	76	25.33
कभी नहीं	36	12.00
योग	300	100.00

भोजन ग्रहण करने की प्रवृत्ति

प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत उत्तरदाता के भोजन ग्रहण करने की स्थिति के बारे में प्राप्त आँकड़ों के तथ्यगत विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 233 (77.67) प्रतिशत उत्तरदाता मांस ग्रहण करने की स्थिति को व्यक्त किया व 67 (22.33) प्रतिशत उत्तरदाता ने अपने भोजन में मांस खाने की स्थिति के प्रति असहमति व्यक्त किया है जो प्रस्तुत तथ्यगत आँकड़ों की पुष्टि तालिका संख्या 5.17 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या 5.17

बेरोजगारों के सदस्यों की संख्या का विवरण

मांस ग्रहण करने की प्रवृत्ति	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	233	77.67
नहीं	67	22.23
योग	300	100.00

उत्तरदाताओं द्वारा सेवन किये गये मांस की प्रकृति का विवरण

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत उत्तरदाता के मांस सेवन की प्रकृति के पश्चात उनसे मांस में सेवन किये गये पशु व प्राणी जीव के सम्बन्ध में पूछने पर उत्तरदाता समूह में अपने मांस ग्रहण करने की प्रकृति को इस प्रकार स्पष्ट किया जिसमें 76 (25.00) प्रतिशत उत्तरदाता बकरे के मांस व 89 (29.67) प्रतिशत उत्तरदाता भेड़ का मांस व 98 (32.67) प्रतिशत उत्तरदाता ने सर्वाधिक सुअर के मासं को ग्रहण करने की स्थिति ज्ञात हुई जिसमें कि 37 (12.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे मिले जो अन्य विविध प्रकार के मांस ग्रहण करने की स्थिति को व्यक्त किया जो आँकड़ों का तथ्यगत विश्लेषण तालिका संख्या 5.18 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.18

उत्तरदाताओं द्वारा सेवन किये गये मांस की प्रकृति

मांस की प्रकृति	आवृत्ति	प्रतिशत
बकरे का मांस	76	25.33
भेड़ का मांस	89	2.67
सुअर का मांस	98	32.67
अन्य	37	12.33
योग	300	100.00

उत्तरदाता द्वारा पिछले तीन वर्षों में कर्ज लिये जाने की स्थिति का विवरण

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत उत्तरदाताओं के समक्ष अपने दैनिक मूलभूत आवश्यकताओं एवं पारिवारिक व्यय के अन्तर्गत आवश्यकता हेतु धन की उपयोगिता के लिए उत्तरदाता के मध्य पिछले तीन वर्षो के अन्तराल में लिये गये कर्ज का विवरण प्राप्त तथ्यगत आँकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 68 (212.67) प्रतिशत उत्तरदाता ने कर्ज लेने की स्थिति में सहमति व्यक्त किया ओर 232 (77.33) प्रतिशत उत्तरदाता ने कर्ज न लेने की बातों को स्पष्ट कहा। प्रस्तुत आँकड़ों के तथ्यों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.19 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.19

पिछले तीन वर्षो के अन्तराल में लिये गये कर्ज का विवरण

कर्ज का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	68	22.67
नहीं	232	77.33
योग	300	100.00

उत्तरदाताओं द्वारा ऋण प्राप्ति के धनराशि का विवरण

प्रस्तुत उत्तरदाताओं से ऋण लेने की स्थिति में उनके प्राप्त धन के विषय में धनराशि की स्थिति के बारे में पूछा गया तो उत्तरदाताओं ने पिछले तीन वर्षो के अन्तराल में लिये गये धनराशि की स्थिति का इस प्रकार व्यक्त किया जिसमें 105 (35.00) प्रतिशत उत्तरदाता 2000-4000 के मध्य व 35 (11.67) प्रतिशत उत्तरदाता 4000-6000 रूपये के मध्य धनराशि कर्ज लेने की बात को कहा तथा 114 (38.00) प्रतिशत उत्तरदाता 6000-8000 रूपये के मध्य कर्ज लेने की बात को कहा एवं 46 (15.33) प्रतिशत उत्तरदाता ऐसे रहे जिन्होंने अपने कर्ज लेने की स्थिति को 8000 रूपये की राशि कर्ज लेने की बात को स्पष्ट कहे। प्रस्तुत आँकड़ों का विश्लेषण तालिका संख्या 5.20 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या-5.20

तीन वर्षो के अन्तराल में ऋण लेने की धनराशि का विवरण

ऋण लेने की राशि	आवृत्ति	प्रतिशत
2000-4000	105	35.00
4000-6000	35	11.67
6000-8000	114	38.00
8000 से ऊपर	46	15.33
योग	300	100.00

सारांश–

प्रस्तुत अध्याय में उत्तरदाताओं के आवासी दशा एवं व्यवसायिक जीवन का तथ्यगत विश्लेषण किया गया है। उत्तरदाताओं के आवास के प्रकृति का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाताओं का मकान साधारण स्तर का पक्का है परन्तु (25.33) प्रतिशत उत्तरदाताओं का मकान कच्चा है। निवास स्थान से सम्बन्धित सुलभ साधनों के स्थिति का विवरण से स्पष्ट होता है कि उत्तरदाताओं के मकान में शौचालय एवं पानी की सुविधा है परन्तु 63 (21.00) प्रतिशत एवं (10.00) उत्तरदाताओं के यहां शौचालय एवं पानी की सुविधा नहीं है। अधिकांश उत्तरदाताओं के यहां कमरों की स्थिति संतोषप्रद है। निवास करने से सम्बन्धित विवरण से स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाता पिता की पीढ़ी से आवास में रहते हैं और उनका निवास स्थान स्वयं का है, परन्तु (21.00) प्रतिशत उत्तरदाता किराये के मकान में रहते हैं। आवासीय स्थिति के संदर्भ में (55.33) प्रतिशत उत्तरदाताओं का आवास पैतृक भूमि में है परन्तु (18.33) प्रतिशत उत्तरदाता सरकारी किराये के मकान में रहते हैं। आय के स्रोत के विवरण के संदर्भ में अधिकांश उत्तरदाताओं ने यह स्पष्ट किया कि वे पशु पाल, सरकारी नौकरी तथा प्राइवेट नौकरी में हैं परन्तु अधिकांश उत्तरदाता ने इस तथ्य

को स्वीकारा कि वे शवदाह स्थल पर कार्य करते हैं।, और उससे प्राप्त आमदनी से अपने परिवार का भ्रण-पोषण करते हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं (31.00) प्रतिशत की मासिक आय 1000-1500 तक रूपये है जो कि अपर्याप्त है। उत्तरदाताओं से सम्बन्धित अन्य सदस्यों के विवरण से स्पष्ट होता है कि उनके साथ उनकी मां और बहन तथा पत्नी है। उत्तरदाताओं के मासिक आय के विवरण से स्पष्ट होता है कि अधिकाशं उत्तरदाताओं (42.00) प्रतिशत 4000-6000 रूपये की आय है। ऋण लेने की स्थिति के विवरण के संदर्भ में अधिकांश उत्तरदाता (62.00) प्रतिशत इस तथ्य को स्वीकार किया है कि वे ऋण से ग्रसित हैं परन्तु (38.00) प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है। अधिकाशं उत्तरदाता ऋण प्राइवेट संस्था, पड़ोसी, एवं रिश्तेदारों से प्राप्त करते हैं। कुछ उत्तरदाताओं बैंक से भी ऋण प्राप्त किया है। अधिकांश उत्तरदाता आरक्षण से प्राप्त सुविधा के संदर्भ में अपनी सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, सभी सुविधाओं के उपरान्त भी अधिकांश (66.00) प्रतिशत उत्तरदाता ने ये व्यक्त करते हुए कहा कि उनके यहां बेरोजगार सदस्य हैं। अधिकांश उत्तरदाता (62.67) प्रतिशत ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि वेतन प्रप्ति के दिन वे जमकर मद्यपान करते हैं और सुअर के मांस के प्रति विशेष रूचि व्यक्त करते हैं।

अधिकांश उत्तरदाता कर्ज से लदे हैं। इस प्रकार तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि उत्तरदाताओं का आवासीय दशा एवं व्यवसायिक जीवन बहुत ठीक नहीं है। एक ओर वे किसी प्रकार अपने कच्चे-पक्के आवास में जीवन यापन करते हैं तो दूसरी ओर वित्तीय वृन्तीय आधार पर अपनी जीवन रखा को किसी प्रकार संचालित करते हैं। धन के अभाव से ग्रसित होने के कारण वे कर्ज लेने के लिए विवश होते हैं और उससे छुटकारा पाने की स्थिति में स्वयं को नहीं पाते हैं।

Reference

[1] Durkheim,E., The Suicide Passim, 1982, P.45-78.

[2] Sorokin, P.A., Social and Cultural Mobility, The Free Press Glance, 1977, P.493-527.

[3] Stelcup, R., Educational Sociology, Morsels, Co U.S.A., 1967, P.717.

[4] MacGuri,C., Adolescent Society and Social Social Mobility, Unpub, Ph.D. Dissertation University of Chicago. C.T. Society & Education by Harrighurest & Neugatton allyns Becom, Inc, Bostom, 1961, P.288-465

[5] Aderson, C.A. Vertical Skeptical Note on the Relation of Mobility to Education Amer. J. of Socio, Lxvi 560 & 70, 1961, P.288

[6] Lipset, S.M. & Bandiz R.,Social Mobility in Industrial Society Berkeley and los Angles University of Calufo Press, 1959, P.63-64-66

[7] Brokover, W.B., A Sociology of Education in India Amer Book Company, 1955, P.313.

[8] Srinivas, M.N. Indias Villages Publishing House Bombay, 1963, P.2

[9] Roa, M.S., Urbanization & Social Change Orient Ltm. 1970, P758.